बी.ए. प्रथमवर्ष, परीक्षा-2017

लोकसंगीत

प्रथम प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-25**

टीपः- प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

+++

इकाई-I 1. लोक संस्कृति का अर्थ बताते हुए छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

लोकसंगीत के इतिहास का संक्षिप्त परिचय दीजिये ।

इकाई-II 2. लोकसंगीत की परिभाषा देते हुए उनके प्रकारों का वर्णन कीजिये ।

अथवा

लोककला किसे कहते हैं ? समझाते हुए गोदना कला का संक्षिप्त वर्णन कीजिये ।

इकाई-III 3. लोककथा से क्या तात्पर्य है ? अपने प्रदेश के किसी एक लोककथा का उल्लेख करते हुए उससे मिलने वाली प्रेरणा को समझाइये ।

अथवा

छत्तीसगढ़ के लोकगीत का सामान्य परिचय देते हुए अपने पाठ्यक्रम के किन्हीं दो लोकगीतों को लिखिये ।

इकाई-IV 4. भारतीय लोकगाथाओं एवं लोकनाट्यों को संक्षिप्त में समझाइये ।

अथवा

छत्तीसगढ़ की किसी एक लोकगाथा पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत कीजिये ।

IKSV XVI-XVII 2

इकाई-V 5. निम्नलिखित में से किसी एक लोककलाकार का जीवन परिचय लिखियेः-

अ- पद्मश्री पुनाराम निषाद
ब- पद्मश्री गोविंद राम निर्मलकर
स- श्रीमती सुरुजबाई खाण्डे

अथवा

लोकसंगीत की आंचलिक शैलियों का समाज में स्थान एवं महत्व को प्रतिपादित कीजिये ।

xx

बी.ए. प्रथमवर्ष, परीक्षा-2017

लोकसंगीत

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-25**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

इकाई-I 1. स्वर, सप्तक एवं अलंकार का सामान्य परिचय दीजिये तथा कोई पाँच अलंकार लिखिये ।

अथवा

ताल का महत्व बताते हुए निम्नलिखित बिन्दुओं को परिभाषित कीजियेः-

सम, ताली-खाली, लय, विभाग, ठेका ।

इकाई-II 2. मांदर, टिमकी और दफड़ा का सचित्र वर्णन कीजिये ।

अथवा

लोकवाद्यों का वर्गीकरण करते हुए कोई तीन सुषिर वाद्यों का सचित्र वर्णन कीजिये ।

इकाई-III 3. पंथी लोकनृत्य का निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर वर्णन कीजियेः-

अ- अवसर ब- वाद्य स- वेशभूषा

अथवा

लोकजीवन में अनुष्ठानिक पर्वों के महत्व पर प्रकाश डालिये ।

इकाई-IV 4. लोकसंगीत में प्रयुक्त पारम्परिक तालों की जानकारी देते हुए कोई दो तालों को लिपिबद्ध कीजिये ।

अथवा

छत्तीसगढ़ के लोकगीतों में निहित स्वर पक्ष को समझाइये ।

IKSV XVI-XVII 3

इकाई-V 5. **(अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजियेः-**

(i) औरीदाना को-----में पहनते हैं ।

(ii) बांसुरी -----वर्ग का वाद्य है ।

(iii) फाल्गुन मास में गाये जाने वाले लोकगीत को-----कहते हैं ।

(iv) दीपचंदी में----मात्राएँ होती हैं ।

(v) पद्मश्री पूनाराम निषाद---विधा के कलाकार थे ।

(ब) सत्य/असत्य बताइयेः-

(i) देवदास बंजारे पंथी नृत्य के कलाकार थे ।

(ii) ददरिया में श्रृंगार रस की प्रधानता नहीं होती है ।

(iii) करमा लोकनाट्य नहीं है ।

(iv) सोहर मृत्यु संस्कार का गीत है ।

(v) राई बघेलखण्ड का प्रमुख लोकनृत्य है ।

(स) सही जोड़ी बनाइयेः-

(i)	विवाह संस्कार	- भोजली
(ii)	होली	- जसगीत
(iii)	रक्षाबंधन	- भड़ौनी
(iv)	नवरात्रि	- गौरी-गौरा गीत
(v)	दीवाली	- फाग गीत

xx

बी.ए. द्वितीयवर्ष, परीक्षा-2017

लोकसंगीत

प्रथम प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-25**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

इकाई-I 1. लोकसंस्कृति के बारे में आप क्या जानते हैं ? छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक स्वरूप का संक्षिप्त वर्णन कीजिये ।

अथवा

आदिवासी लोकसंगीत के स्वरूप एवं विशेषताएँ लिखिये ।

इकाई-II 2. छत्तीसगढ़ में प्रचलित किसी एक लोकनाट्य के प्रस्तुतिकरण पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

विदेसिया लोकनाट्य का निम्न बिन्दुओं के आधार पर वर्णन कीजियेः-
अ- प्रस्तुतिकरण ब- वस्त्राभूषण स- संगीत-योजना

इकाई-III 3. लोकगीत का महत्व बतलाते हुए रसिया एवं दादरा लोकगीत का परिचयात्मक वर्णन कीजिये ।

अथवा

किन्हीं तीन लोकगीतों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखियेः-
अ- बाम्बुलिया ब- गौरी-गौरा स- ददरिया
द- संचतगीत ।

इकाई-IV 4. मध्यप्रदेश में प्रचलित लोकनृत्यों के नाम लिखते हुए किसी एक लोकनृत्य का विस्तृत वर्णन कीजिये ।

अथवा

करमा नृत्य पर प्रकाश डालते हुए उनमें प्रयुक्त होने वाले लोकगीतों का भावार्थ लिखिये ।

इकाई-V 5. पंडवानी गुरु के नाम से प्रसिद्ध कलाकार का जीवन परिचय एवं उनके सांगीतिक योगदान पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

(अ) सही जोड़ी बनाइयेः-

(i) ददरिया - निमाड़
(ii) गणगौर - मालवा
(iii) नचनहाई दादर - बुन्देलखण्ड
(iv) फूलपाती - छत्तीसगढ़
(v) लांगुरिया - बघेलखण्ड

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजियेः-

(i) माच-----क्षेत्र का लोकनाट्य है ।
(ii) हरदौल-----क्षेत्र में गाया जाता है ।
(iii) कजरी गीत-----महीने में गाया जाता है ।
(iv) पद्मश्री गोविन्द राम निर्मलकर-----विधा के कलाकार थे ।
(v) धनकुल गीत----क्षेत्र से संबंधित है ।

(स) सही या गलत लिखियेः-

(i) मामूलिया लड़कियों द्वारा गायी जाती है ।
(ii) दूधलोटावा विवाह गोंड़ जनजाति में प्रचलित है ।
(iii) आल्हा बघेलखण्ड का लोकगाथा है ।
(iv) भगोरिया नृत्य होली के अवसर पर किया जाता है ।
(v) चैती------ माह में गाये जाने की परंपरा है ।

xx

बी.ए. द्वितीयवर्ष, परीक्षा-2017

लोकसंगीत

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-25**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

इकाई-I 1. भांगड़ा एवं पंथी लोकनृत्यों की शारीरिक क्रियाओं पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

लोकनृत्यों में निहित भाव भंगिमाओं को संक्षिप्त में वर्णन कीजिये ।

इकाई-II 2. बुन्देलखण्ड क्षेत्र में गाये जाने वाले जन्म एवं विवाह संस्कार के लोकगीतों पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

भड़ौनी एवं परघौनी लोकगीत कब गाये जाते हैं ? वर्णन करते हुए गीतों का भावार्थ लिखिये ।

इकाई-III 3. "लोकजीवन में लोककथा का महत्वपूर्ण स्थान है।" सोदाहरण समझाइये ।

अथवा

'भरथरी' लोकगाथा पर सारगर्भित लेख लिखिये ।

इकाई-IV 4. मध्यप्रदेश के किन्हीं दो लोकवाद्यों का सचित्र वर्णन कीजिये ।

अथवा

दादरा एवं कहरवा ताल के ठेकों को ठाह, दुगुन तथा तिगुन की लय में लिपिबद्ध कीजिये ।

इकाई-V 5. मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती क्षेत्र के सांगीतिक प्रभाव पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

(अ) सही जोड़ी बनाइयेः-

(i) पद्म भूषण हबीब तनवीर	- माचकार
(ii) पद्म भूषण तीजनबाई	- लोक गीत
(iii) पद्मश्री शेख गुलाब	- लोक गाथा
(iv) श्री सिद्धेश्वर सेन	- लोकसंगीत मर्मज्ञ
(v) श्रीमती किस्मत बाई	- रंगकर्मी

(ब) सही/गलत लिखियेः-

(i) ढोलामारू प्रेम गाथा है ।
(ii) झाडूराम देवांगन पंडवानी गायक हैं ।
(iii) नचनहाई दादर लोकनृत्य है ।
(iv) लांगुरिया देवी गीत है ।
(v) 'माच' मालवा अंचल (मध्यप्रदेश) का लोकनाट्य है ।

(स) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजियेः-

(i) पंथी नृत्य का लोकवाद्य-----है ।
(ii) काकसार----क्षेत्र का लोकनृत्य है ।
(iii) हरदौल -----क्षेत्र का लोकगीत है ।
(iv) काठी -----क्षेत्र का लोकनाट्य है ।
(v) दादरा-----क्षेत्र का लोकगीत है ।

xx

बी.ए. अंतिमवर्ष, परीक्षा-2017

लोकसंगीत

प्रथम प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-25**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

1. 'कजरी' लोकगीत की उत्पत्ति, विकास को लिखिये ।

अथवा

'लोकसंगीत की उत्पत्ति एवं विकास में प्रकृति का प्रमुख योगदान है।' इस कथन की पुष्टि कीजिये ।

2. लोकनृत्यों को वर्गीकृत करते हुए कोई दो भारतीय लोकनृत्य की विशेषता लिखिये ।

अथवा

लोक वेशभूषाओं का समाज में स्थान को दर्शाते हुए उन पर पड़ने वाले आधुनिक प्रभाव को बताइये ।

3. लोकशैलियों के व्यवसायीकरण से समाज में पड़ने वाले प्रभाव को दर्शाइये ।

अथवा

"शास्त्रीय संगीत लोकसंगीत का परिष्कृत रूप है ।" इस कथन पर अपना विचार व्यक्त कीजिये ।

4. 'विदेशिया' लोकनाट्य का उल्लेख करते हुए श्री भिखारी ठाकुर के योगदान का उल्लेख कीजिये ।

अथवा

श्री सिद्धेश्वर सेन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके सांगीतिक योगदान को लिखिये ।

5. 'सरवन' लोकगाथा का वर्णन करते हुए समाज पर पड़ने वाले प्रभाव को लिखिये ।

अथवा

(अ) सही/गलत लिखियेः-

(i) बाऊल बिहार में गाते हैं ।
(ii) रावणहत्था उत्तरप्रदेश का है ।
(iii) ढोलामारू राजस्थान की गाथा है ।
(iv) पद्मभूषण तीजनबाई भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत थीं ।
(v) इं.क.सं.वि. की स्थापना 14 अक्टूबर सन् 1956 को हुई ।

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजियेः-

(i) बिचौली ----- में पहनते हैं ।
(ii) धनकुल----- क्षेत्र का वाद्य है ।
(iii) गुलाबो बाई----- की कलाकार हैं ।
(iv) बिरहा ----- प्रदेश का लोकगीत है ।
(v) परभातिया ----- क्षेत्र में गाते हैं ।

xx

बी.ए. अंतिमवर्ष, परीक्षा-2017

लोकसंगीत

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-75 न्यूनांक-25**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

1. शास्त्रीय संगीत के परिप्रेक्ष्य में भारतीय लोकगीतों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए दो लोकगीतों का भावार्थ सहित उल्लेख कीजिये ।

अथवा

'कजरी' तथा 'चैती' लोकगीत का उल्लेख कर भावपक्ष एवं रस को समझाइये ।

2. भारतीय लोकगीतों के आधुनिक स्वरूप तथा उनके संभावनाओं को उदाहरण सहित समझाइये ।

अथवा

लोकसंगीत में प्रयुक्त होने वाले कहरवा एवं दीपचंदी(चाचर) ताल का परिचय देते हुए ठाह, दुगुन एवं चौगुन में लिपिबद्ध कीजिये ।

3. लोकनृत्य की उत्पत्ति को समझाते हुए पंजाब एवं मध्यप्रदेश के दो-दो लोकनृत्यों में उपयोग होने वाली वेशभूषा, आभूषण एवं साज-सज्जा का उल्लेख कीजिये ।

अथवा

लोकनृत्यों में व्यायाम तथा युद्ध का भाव समाहित है । इसे स्पष्ट करते हुए बिहार एवं त्रिपुरा के एक-एक लोकनृत्यों का उल्लेख कीजिये ।

4. लोककलाकार की विशेषता बताते हुए लोककला के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

भारतीय लोकसंगीत के राष्ट्रीय महत्व पर अपने विचार स्पष्ट करते हुए संरक्षण एवं संवर्धन पर प्रकाश डालिये ।

5. लोकनृत्यों से शास्त्रीय नृत्यों का प्रादुर्भाव हुआ है । इस कथन की पुष्टि कीजिये ।

अथवा

(अ) उचित जोड़ी बनाइयेः-

(i)	असम	- घुमर
(ii)	महाराष्ट्र	- गरबा
(iii)	राजस्थान	- बीहू
(iv)	गुजरात	- गुरदास मान
(v)	पंजाब	- लावणी

(ब) सही/गलत बताइयेः-

(i) उत्तरप्रदेश के रास प्रमुख लोकनृत्य हैं ।
(ii) लावणी का सम्बन्ध विदेशिया लोकनाट्य से है ।
(iii) राई लोकनृत्य बेड़नी जाति द्वारा किया जाता है ।
(iv) दफड़ा घन लोकवाद्य है ।
(v) नौटंकी महाराष्ट्र की लोकनाट्य है ।

(स) खाली स्थान भरोः-

(i) लड़ली लूमा-झूमा सा----लोकगीत के नाम से जानते हैं ।
(ii) मोर झुलतरी गेंदा इंजन गाड़ी सेम्हर फूलगे----- लोकगीत नाम से जानते हैं ।
(iii) चिकारा----- वर्ग का लोकवाद्य है ।
(iv) पुंग लोकवाद्य-----वर्ग एवं-----राज्य का है ।
(v) लेझिम लोकवाद्य-----वर्ग एवं-----राज्य का है ।

xx